वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 38 | शुक्रवार 10 जुलाई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वर्षों पहले लगाए गए पौधे आज नई पीढ़ी को छाया, स्वच्छ वातावरण और सुकून दे रहे हैं: लोकसभा अध्यक्ष

कोटा के आरटीयू परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान

जयपुर. शाबाश इंडिया

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कोटा जिले के राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आयोजित सघन पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर वन विभाग ने ड्रोन के माध्यम से सीड बॉल्स गिराने की अभिनव पहल की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि तकनीक और पर्यावरण संरक्षण का यह समन्वय भविष्य के लिए प्रेरणादायी है। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और विधायक संदीप शर्मा भी उपस्थित रहे। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रकृति का सम्मान भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिया गया पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली का संदेश आज पूरे विश्व के लिए प्रेरणा बन चुका है। उन्होंने सभी नागरिकों से कोटा-बून्दी के हर गांव, शहर, विद्यालय और परिसर को अधिक हराभरा और स्वच्छ बनाने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि यही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। जिला स्तरीय वन महोत्सव के इस अवसर पर शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर ने पेड़ों की महत्ता बताते हुए कहा कि मौजूदा स्थितियों में हमें पर्यावरण को बचाने के लिए बहुत तेजी के साथ काम करना होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार इस दिशा में बहुत गंभीरता और तत्परता के साथ काम कर रही है। गत वर्ष हरियालो राजस्थान योजना अंतर्गत 12 करोड़ पौधे लगाए गए जिनमें से साढे सात करोड़ पौधारोपण शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग द्वारा किया गया और वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया। कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने का समाधान आधिकाधिक पेड़ लगाने में ही है। उन्होंने कहा कि इस कार्य को अपनी आदत और स्वभाव बना लें। कोटा संभागीय मुख्य वन संरक्षक सोनल जोरिहार ने कहा कि इस बार संभाग में हरियालो राजस्थान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 30 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण तो किया ही जाएगा, दुर्गम इलाकों में ड्रोन से भी बीजारोपण शुरू किया जाएगा।

राजस्व संग्रहण प्रदेश की उन्नति एवं जनकल्याण का आधार

पहली से लेकर अंतिम तिमाही तक राजस्व संग्रहण में बनाए रखें गति: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 33,969 करोड़ रुपये की कुल राजस्व प्राप्ति

पिछले वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 11.54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्व संग्रहण प्रदेश की उन्नति और जनकल्याण का आधार है। राजस्व की चोरी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्व अर्जन से जुड़े सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय वर्ष की पहली से अंतिम तिमाही तक राजस्व संग्रहण में समान गति बनाए रखें। मुख्यमंत्री गुरुवार को राजस्व अर्जन से संबंधित विभागों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व चोरी के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, जिसका असर धरातल पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर संग्रहण प्रणाली में सुधार के उद्देश्य से तकनीकों एवं नवाचारों के साथ अधिकारी डिकॉय ऑपरेशन्स कर टैक्स चोरी पर अंकुश लगाएं। साथ ही, अन्य राज्यों की कर प्रणालियों का अवलोकन कर प्रदेश में बेस्ट प्रेक्टिसेज लागू करें। उन्होंने कहा कि कर प्रणाली में नवीन तकनीकों का समावेश करें, जिससे राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सरल और सुगम हो। उन्होंने विभिन्न न्यायालयों में लंबित वादों की प्रभावी पैरवी के भी निर्देश दिए। उन्होंने जीएसटी के संबंध में रिटर्न फाइलिंग कम्पाइलेंस को सख्ती से लागू करने के लिए निर्देशित किया।

युवाओं की अनूठी पहल: ट्रेलकीपर्स जयपुर की प्राकृतिक ट्रेल्स को बना रहा स्वच्छ और सुरक्षित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजकीय सम्मानित समाजसेवी जिनेश कुमार जैन ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक धरोहरों की स्वच्छता के उद्देश्य से युवाओं द्वारा शुरू की गई पहल 'ट्रेलकीपर्स' जयपुर की ट्रेकिंग ट्रेल्स और प्राकृतिक स्थलों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं संरक्षित बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इस युवा-नेतृत्व वाली पहल का उद्देश्य केवल प्राकृतिक स्थलों से कचरा हटाना ही नहीं, बल्कि लोगों में जिम्मेदार ट्रेकिंग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना भी है। ट्रेलकीपर्स द्वारा अब तक तीन सफल ट्रेल क्लीनअप अभियान आयोजित किए जा चुके हैं। इन अभियानों में स्वयंसेवकों ने मिलकर लगभग 15 से 20 किलोग्राम प्लास्टिक, कांच की बोतलें, खाद्य पैकेजिंग तथा अन्य प्रकार का कचरा प्राकृतिक ट्रेल्स से हटाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने लोगों से अपील की कि वे प्रकृति का आनंद लें, लेकिन अपने पीछे केवल अपने पदचिह्न छोड़ें, कचरा नहीं। ट्रेलकीपर्स की संस्थापक अरिका शर्मा ने बताया कि प्रकृति, ट्रेकिंग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने विशेष लगाव से प्रेरित होकर उन्होंने इस पहल की शुरूआत की। उनका मानना है कि युवाओं की छोटी-छोटी पहल भी समाज और पर्यावरण में बड़ा सकारात्मक बदलाव ला सकती है। इसी सोच के साथ वे अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़कर जयपुर की प्राकृतिक ट्रेल्स को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। अरिका शर्मा ने बताया कि इस अभियान में उन्हें डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, डॉ. बी. एस. शर्मा, ज्योतिषाचार्य पं. दिनेश शर्मा, डॉ. लोकेंद्र शर्मा एवं एम. एल. गुप्ता का निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है। इन सभी ने स्वयंसेवक के रूप में क्लीनअप अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए पर्यावरण संरक्षण

के इस प्रयास को सशक्त बनाया है। ट्रेलकीपर्स नियमित रूप से क्लीनअप ड्राइव, पर्यावरण जागरूकता अभियान तथा सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करता है। संस्था ने प्रकृति प्रेमियों, ट्रेकर्स और आम नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया है। किसी भी आयु वर्ग का व्यक्ति स्वयंसेवक के रूप में इसमें भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकता है।

''प्रकृति हमारी धरोहर है। आइए, मिलकर इसे स्वच्छ, सुंदर और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित बनाएँ।''

पदमचंद गांधी साहित्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित

अलवर. शाबाश इंडिया

जगमग दीप ज्योति पत्रिका परिवार, अलवर (राजस्थान) द्वारा मासिक पत्रिका के 41वें वर्ष में प्रवेश तथा पत्रिका के संपादक स्वर्गीय श्री सुमती कुमार जैन की श्रद्धांजलि सभा के उपलक्ष्य में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार, लेखक, वरिष्ठ सुश्रावक, मोटिवेशनल स्पीकर एवं आध्यात्मिक चिंतक श्री पदमचंद गांधी को साहित्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान एवं उल्लेखनीय साहित्यिक सेवाओं के लिए 'साहित्य शिरोमणि सम्मान' से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री गांधी को उनके साहित्य, समाज एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पूर्व में भी अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समिति एवं सकल जैन समाज, अग्रवाल फार्म, जयपुर

मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट एवं कंचन देवी मेमोरियल ट्रस्ट (रजि.)

द्वारा आयोजित

स्व. श्रीमती मीना कुमारी जैन

1 मार्च, 1952– 15 जुलाई, 2020

स्व. श्रीमती मीना कुमारी जैन

(धर्मपत्नी श्री ज्ञान चन्द जैन) की षष्ठम पुण्य स्मृति पर

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं नि:शुल्क जाँच शिविर

रविवार, 12 जुलाई 2026

प्रात: 9.30 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक

नीता जैन

निःशुल्क जाँच एवं परामर्श

1. डॉ. अविनाश जैन (DM), गठिया और ऑटोइम्यून बीमारी विशेषज्ञ
2. देशबन्धु ई.एन.टी. अस्पताल द्वारा कान, नाक, गले की जाँच
3. मनु श्री आई अस्पताल एवं आई 2 आई ऑप्टिवस द्वारा नेत्र जाँच
4. डॉ. प्रमिला जैन डेन्टल सर्जन द्वारा डेन्टल चेकअप एवं बी.पी, शुगर एवं केल्सीयम की जाँच ,
5. डॉ. विनोद गोतम, जनरल फिजिशियन द्वारा परामर्श
6. फिजियोथेरेपिष्ट डॉ. दीपक शर्मा, डॉ हिमांशु वशिष्ठ एवं डॉ. आस्था जैन द्वारा परामर्श

मुख्य अतिथि

श्रीमती मंजू शर्मा जी

सांसद लोकसभा जयपुर

स्थान- श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

सोभागमल जैन	सुमत प्रकाश जैन	शरद हिंगड़	सिद्ध कुमार सेठी	श्रीमती भँवरी देवी जैन	पंकज जैन	जिनेश कुमार जैन	ज्ञानचन्द जैन
सलाहकार महामंत्री श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर	अध्यक्ष श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर	अध्यक्ष कंचन देवी मेमोरियल ट्रस्ट, जयपुर	अध्यक्ष श्री पार्श्वनाथ नव युवक मण्डल	अध्यक्ष श्री पार्श्वनाथ महिला मण्डल	मुख्य संयोजक विद्या-वसु पाठशाला श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर	प्रदेश अध्यक्ष WPSF	संयोजक एवं अध्यक्ष मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट, जयपुर

सभी रक्तवीरों को प्रशस्ती पत्र से सम्मानित किया जायेगा।

रक्तदान हेतु सम्पर्क करें:- 9414643144, 9414267852, 7793090000, 9529530467, 9314551550, 9351302142, 9887977479, 9413301367

पेरिस फैशन वीक में छाईं ईशा अंबानी, भारतीय कारीगरी को मिला वैश्विक मंच

700 घंटे से अधिक की कारीगरी से तैयार हुआ विशेष गोल्डन गाउन

मनीष मल्होत्रा के ऐतिहासिक पेरिस हाउते कूट्योर डेब्यू में रहीं शामिल

पेरिस. शाबाश इंडिया

रिलायंस रिटेल की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा अंबानी ने पेरिस हाउते कूट्योर वीक में भारतीय फैशन और शिल्पकला की शानदार छाप छोड़ी। वह फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के ऑटम/विंटर 2026 हाउते कूट्योर शो में शामिल हुईं। यह पेरिस के आधिकारिक हाउते कूट्योर कैलेंडर पर मनीष मल्होत्रा की पहली प्रस्तुति थी। इस अवसर पर ईशा अंबानी ने विशेष रूप से तैयार किया गया गोल्डन गाउन पहना, जिसे मुंबई में 700 घंटे से अधिक की बारीक हस्तकला से तैयार किया गया। इस गाउन को मनीष मल्होत्रा ने स्टाइलिस्ट एंड्रयू मुकामल के साथ मिलकर विशेष रूप से ईशा अंबानी के लिए डिजाइन किया। गाउन में भारतीय जरी-जरदोजी कारीगरी के साथ सली और ताबान जैसी पारंपरिक कढ़ाई तकनीकों का उपयोग किया गया है। इसके अलावा इसमें हाथों से जड़े गए क्रिस्टल भी शामिल हैं। इसका डिजाइन (माँ) थीम से प्रेरित है, जो उन महिलाओं को समर्पित है जिनके प्रेम, शक्ति और गरिमा ने पीढ़ियों को प्रेरित किया है। ईशा अंबानी ने अपने लुक को लॉरेन श्वार्ट्ज के 50 कैरेट न्यूड डायमंड इयररिंग्स और 12 कैरेट पियर-शेप न्यूड डायमंड रिंग

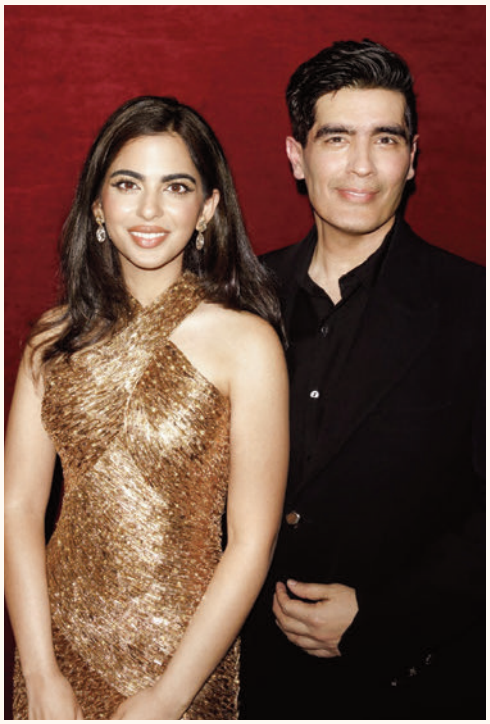

के साथ पूरा किया। गोल्डन गाउन और डायमंड ज्वेलरी के इस संयोजन ने पेरिस के प्रतिष्ठित फैशन मंच पर भारतीय शिल्पकला और आधुनिक डिजाइन का आकर्षक संगम प्रस्तुत किया। पेरिस में उनकी उपस्थिति को भारतीय डिजाइनरों, लग्जरी ब्रांड्स और कारीगरों को वैश्विक मंच दिलाने की उनकी सोच से भी जोड़कर देखा जा रहा है। रिलायंस रिटेल में अपनी भूमिका

के माध्यम से वह भारतीय डिजाइन और रचनात्मक प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। रिलीज के अनुसार, ईशा अंबानी ने पेरिस में विशेष रूप से मनीष मल्होत्रा और राहुल मिश्रा के फैशन शो में भाग लिया। इसे भारतीय फैशन उद्योग और कारीगरों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

व्यंग्य

मुर्दा ओटीपी और पासवर्ड बताएगा!

चैतन्य भट्ट

आजकल ओटीपी और पासवर्ड ने लोगों का जीना दूभर कर रखा है। जिधर देखो, उधर एक ही आवाज सुनाई देती है ''पहले पासवर्ड बताइए-पहले ओटीपी बताइए।'' ऐसा लगता है कि इंसान की पहचान अब उसके नाम या चेहरे से नहीं, बल्कि ओटीपी और पासवर्ड से होने लगी है। हालत यह है कि देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक से यदि कोई एकमुश्त 10 हजार रुपए एटीएम से निकालना चाहे तो पहले ओटीपी चाहिए। इसलिए कई लोग दो बार में 5-5 हजार रुपए निकालना ज्यादा आसान समझते हैं, ताकि बार-बार ओटीपी के झंझट में न पड़ना पड़े। ऑनलाइन सामान मंगाइए तो डिलीवरी बॉय भी तब तक पैकेट हाथ में नहीं देगा, जब तक आप सही ओटीपी नहीं बताएंगे। अरे भैया, पैसा हमने दिया, पता हमारा है, सामान भी हमारे नाम का है, घर में कोई पड़ोसी तो रहने नहीं आया है। फिर भी नियम यही है कि पहले ओटीपी बताइए, तभी सामान मिलेगा। लगता है, अब इंसान पर नहीं, केवल अंकों पर भरोसा रह गया है। सोशल मीडिया का हाल भी कुछ ऐसा ही है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, ईमेल हर जगह पासवर्ड चाहिए। यदि गलती से पासवर्ड भूल गए तो समझ लीजिए आपका डिजिटल जीवन समाप्त। न फेसबुक खुलेगी, न ईमेल, न इंस्टाग्राम और न ही व्हाट्सएप। बचपन में जितनी मेहनत पाठ याद करने में नहीं लगती थी, उससे कहीं अधिक मेहनत आज पासवर्ड याद रखने में लगती है। क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और एटीएम कार्ड का भी यही हाल है। पहले पासवर्ड डालिए, तभी पैसा मिलेगा। ऊपर से कार्डों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण कार्ड, कर्मचारी पहचान पत्र, समग्र आईडी और अब बच्चों के लिए अपार कार्ड। आदमी का पर्स अब नोटों से कम और कार्डों से ज्यादा भरा रहता है। कब कौन-सा कार्ड मांगा जाए, कोई भरोसा नहीं। यदि यही रफ्तार रही तो आने वाले समय में रिश्तों में भी ओटीपी और पासवर्ड घुस जाएंगे। कल्पना कीजिए, अस्पताल में मरीज ऑपरेशन टेबल पर लेटा है। डॉक्टर हाथ में कैंची और चाकू लेकर पूरी तरह तैयार है, लेकिन ऑपरेशन शुरू नहीं करेगा। पहले मरीज से कहेगा पासवर्ड या ओटीपी बताइए। मरीज की सांसें अटक जाएं, तब भी कोई जल्दी नहीं। जब तक ओटीपी नहीं आएगा, तब तक इलाज शुरू नहीं होगा।

संपादकीय

दुनिया फिर खड़ी संकट के मुहाने पर

मध्य पूर्व में महीनों की कूटनीतिक कोशिशों और समझौतों के बाद बनी नाजुक शांति एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ी दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच हुआ संघर्ष विराम अब गंभीर संकट में है और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगा रहे हैं। हालिया सैन्य कार्रवाइयों ने न केवल खाड़ी क्षेत्र की स्थिरता को झटका दिया है, बल्कि पूरी दुनिया को एक नए और व्यापक संघर्ष की आशंका के बीच ला

खड़ा किया है। रिपोर्टों के अनुसार, इराक में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद अमेरिका ने ईरान के भीतर कई सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की। तेहरान ने इसे उकसावे वाली कार्रवाई बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया और चेतावनी दी कि किसी भी आक्रामक कदम का जवाब दिया जाएगा। दूसरी ओर, व्हाइट हाउस का कहना है कि अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा आवश्यक होने पर हर संभव कदम उठाया जाएगा। इस बयानबाजी ने दोनों देशों के बीच अविश्वास को और गहरा कर दिया है। पिछले कुछ समय से कतर, ओमान तथा अन्य क्षेत्रीय देशों की मध्यस्थता से तनाव कम करने के प्रयास जारी थे। इन प्रयासों का उद्देश्य परमाणु वार्ता को आगे बढ़ाना, समुद्री व्यापार को सुरक्षित रखना और प्रत्यक्ष टकराव से बचना था। लेकिन इजराइल-गाजा संघर्ष, लेबनान में बढ़ती गतिविधियां और लाल सागर तथा खाड़ी क्षेत्र में लगातार बढ़ता तनाव इस पूरी प्रक्रिया को कमजोर करता रहा। परिणामस्वरूप संघर्ष विराम टिक नहीं सका और हालात फिर विस्फोटक बन गए। इस तनाव का असर युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है। जैसे ही संघर्ष बढ़ा, वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अनिश्चितता फैल गई। तेल की कीमतों में तेजी आई और निवेशकों की चिंता बढ़ गई। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के ऊर्जा व्यापार का अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। यदि यहां नौवहन प्रभावित होता है तो तेल आपूर्ति बाधित होने, महंगाई बढ़ने और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका स्वाभाविक है। भारत, चीन, जापान और यूरोप जैसे ऊर्जा आयातक देशों के लिए यह विशेष चिंता का विषय है। अब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि दोनों पक्षों के बीच संवाद की नई पहल कौन करेगा। अमेरिका और ईरान दोनों ही एक-दूसरे पर भरोसे की कमी जता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ तथा अन्य मध्यस्थ देश लगातार तनाव कम करने की अपील कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस सफलता दिखाई नहीं दे रही। यदि निकट भविष्य में प्रभावी कूटनीतिक पहल नहीं हुई तो सीमित सैन्य टकराव व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकता है, जिसका प्रभाव पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। अमेरिका और ईरान के बीच प्रत्यक्ष युद्ध किसी के हित में नहीं है। इससे केवल मानव जीवन की क्षति, शरणार्थी संकट, आर्थिक अस्थिरता और वैश्विक महंगाई बढ़ेगी। वर्ष 2026 में जब दुनिया पहले से ही आर्थिक चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही है, तब एक और बड़ा युद्ध मानवता के लिए गंभीर झटका साबित होगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हरित रेल क्रांति का आगाज

विनोद कुमार सिंह

भारतीय रेल केवल देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक परिवहन तंत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति की जीवनरेखा भी है। भाप के इंजनों से शुरू हुई इसकी यात्रा अब अत्याधुनिक तकनीक के नए दौर में पहुंच चुकी है। वंदे भारत, अमृत भारत, व्यापक विद्युतीकरण, समर्पित माल गलियारे और स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली 'कवच' के बाद अब भारतीय रेल हाइड्रोजन फ्यूल-सेल तकनीक के साथ एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की ओर बढ़ रही है। दिल्ली-जींद रेलखंड पर स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का सफल परीक्षण इस दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार भारतीय रेल की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारम्भ अगले सप्ताह प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा से इसे राष्ट्र को समर्पित कर सकते हैं। यद्यपि कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा अभी शेष है, फिर भी सफल परीक्षण ने स्पष्ट संकेत दिया है कि भारतीय रेल हरित ऊर्जा आधारित परिवहन के नए युग में प्रवेश के लिए तैयार है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन की चुनौती से जूझ रही है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में भारतीय रेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। लगभग 68,500 रूट किलोमीटर के विशाल नेटवर्क पर प्रतिदिन करोड़ों यात्री और लाखों टन माल का परिवहन होता है। अधिकांश ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण हो चुका है, लेकिन कई ऐसे रेलखंड हैं जहां ओवरहेड विद्युत लाइन बिछाना व्यावहारिक नहीं है। ऐसे क्षेत्रों में हाइड्रोजन ट्रेनें डीजल इंजनों का स्वच्छ और टिकाऊ विकल्प बन सकती हैं। भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में किया गया है, जबकि हरियाणा के जींद में हाइड्रोजन उत्पादन और री-फ्यूलिंग की आधारभूत संरचना विकसित की गई है। यह परियोजना 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना को साकार करती है। फ्यूल-सेल तकनीक में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक अभिक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड या धुएं का उत्सर्जन नहीं होता, बल्कि केवल जलवाष्प निकलती है। यदि हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से किया जाए तो इसे 'ग्रीन हाइड्रोजन' कहा जाता है। विश्व स्तर पर जर्मनी, जापान, चीन, फ्रांस और इटली जैसे देशों ने हाइड्रोजन रेल तकनीक पर कार्य किया है। भारत का इस श्रेणी में शामिल होना उसकी बढ़ती वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता का प्रमाण है। साथ ही, इससे डीजल पर निर्भरता घटेगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और उच्च तकनीकी विनिर्माण के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। हालांकि इस तकनीक के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन अभी महंगा है तथा इसके सुरक्षित भंडारण, परिवहन और री-फ्यूलिंग के लिए आधुनिक अवसंरचना विकसित करनी होगी। प्रशिक्षित तकनीकी मानव संसाधन और व्यापक निवेश भी आवश्यक होंगे। फिर भी अनुभव बताता है कि नई तकनीकें समय के साथ सस्ती और अधिक सुलभ होती जाती हैं। दिल्ली-जींद रेलखंड पर सफल परीक्षण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि विकसित भारत की नई सोच का प्रतीक है।

क्या इंसान एआई द्वारा बनाई गई तस्वीरों को पहचान सकते हैं?

डॉ. विजय गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है। आज एआई केवल लेख लिखने, संगीत बनाने या वीडियो तैयार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह ऐसी तस्वीरें भी बना रहा है जिन्हें पहली नजर में वास्तविक और कैमरे से खींची गई तस्वीरों से अलग पहचानना बेहद कठिन हो गया है। सवाल यह है कि क्या इंसान अब भी एआई द्वारा बनाई गई तस्वीरों को पहचान सकते हैं, या हमारी आंखें और दिमाग इस तकनीक के सामने भ्रमित हो रहे हैं?

एआई तस्वीरों की बढ़ती गुणवत्ता

आधुनिक एआई मॉडल कुछ शब्दों के आधार पर ऐसी तस्वीरें तैयार कर सकते हैं जिनमें प्रकाश, छाया, चेहरे के भाव, त्वचा की बनावट और पृष्ठभूमि तक अत्यंत स्वाभाविक दिखाई देती है। पहले एआई चित्रों में हाथों की उंगलियां, आंखों का आकार या वस्तुओं की बनावट जैसी गलतियां आसानी से दिखाई देती थीं, लेकिन अब इन कमियों में काफी कमी आ गई है।

क्या इंसान आसानी से पहचान पाते हैं?

हाल के कई अध्ययनों से पता चलता है कि अधिकांश लोग एआई-जनित और वास्तविक तस्वीरों के बीच सही अंतर करने में बहुत सफल नहीं होते। कई बार लोग वास्तविक तस्वीरों को एआई की बनाई हुई समझ लेते हैं, जबकि एआई की बनाई तस्वीरों को असली मान बैठते हैं। इसका कारण यह है कि हमारा मस्तिष्क चित्रों को समग्र रूप से देखता है और छोटी-छोटी तकनीकी विसंगतियों पर हमेशा ध्यान नहीं देता। विशेषज्ञों का मानना है कि सामान्य व्यक्ति की पहचान क्षमता अक्सर अनुमान

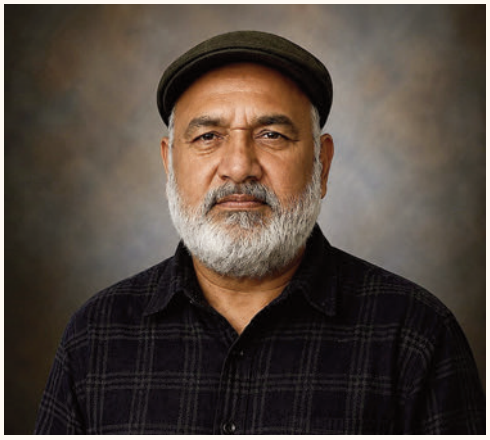

पर आधारित होती है, इसलिए केवल देखने भर से सही निर्णय लेना कठिन होता जा रहा है।

एआई तस्वीरों की पहचान कैसे करें?

हालांकि यह आसान नहीं है, फिर भी कुछ संकेत मदद कर सकते हैं...

हाथों और उंगलियों की बनावट पर ध्यान दें। कान, दांत और आंखों के आकार में असामान्यताएं देखें। पृष्ठभूमि में लिखे शब्द या बोर्ड अक्सर गलत या अस्पष्ट हो सकते हैं। कपड़ों के पैटर्न या आभूषणों में असंगतियां दिखाई दे सकती हैं। प्रकाश और छाया का मेल कभी-कभी पूरी तरह स्वाभाविक नहीं होता। फिर भी, नई एआई तकनीक इन कमियों को तेजी से दूर कर रही है।

गलत सूचना का बढ़ता खतरा

एआई-जनित तस्वीरों का सबसे बड़ा खतरा फर्जी खबरों और दुष्प्रचार के रूप में सामने आ रहा है। किसी प्रसिद्ध व्यक्ति, नेता या सार्वजनिक घटना की नकली तस्वीरें बनाकर लोगों को भ्रमित किया जा सकता है। सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें बहुत तेजी से वायरल होती हैं और कई लोग बिना जांच किए उन पर विश्वास कर लेते हैं। इसलिए केवल तस्वीर देखकर किसी घटना को सत्य मान लेना उचित नहीं है। विश्वसनीय समाचार स्रोतों और तथ्य-जांच (फैक्ट-चेक) प्लेटफॉर्म की सहायता लेना आवश्यक है।

क्या तकनीक भी पहचान सकती है?

जैसे-जैसे एआई बेहतर हो रहा है, वैसे-वैसे एआई-आधारित पहचान प्रणालियां भी विकसित की जा रही हैं। कई शोधकर्ता ऐसे उपकरण बना रहे हैं जो किसी तस्वीर के डिजिटल पैटर्न, मेटाडाटा और अन्य तकनीकी संकेतों का विश्लेषण करके यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि तस्वीर एआई द्वारा बनाई गई है या वास्तविक कैमरे से ली गई है। हालांकि यह भी एक निरंतर चलने वाली प्रतिस्पर्धा है—जितनी उन्नत पहचान तकनीक बनती है, उतनी ही उन्नत एआई तस्वीरें भी बनने लगती हैं।

डिजिटल साक्षरता की आवश्यकता

आज के समय में केवल पढ़ना-लिखना ही पर्याप्त नहीं है। डिजिटल साक्षरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। लोगों को यह सीखना होगा कि इंटरनेट पर दिखाई देने वाली हर तस्वीर पर तुरंत विश्वास न करें। विशेष रूप से विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को एआई और डिजिटल मीडिया के बारे में जागरूक होना चाहिए। एआई द्वारा बनाई गई तस्वीरों की गुणवत्ता इतनी बढ़ चुकी है कि उन्हें पहचानना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। इंसान अभी भी कुछ संकेतों के आधार पर अंतर कर सकते हैं, लेकिन केवल आंखों पर भरोसा करना अब पर्याप्त नहीं है। भविष्य में तकनीकी उपकरणों, डिजिटल जागरूकता और तथ्य-जांच की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होगी। एआई एक शक्तिशाली तकनीक है, लेकिन उसका जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग और उसकी सीमाओं को समझना समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

मिशन मुस्कान के तहत 40 से अधिक जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर बिखेरी खुशियां

अजमेर. शाबाश इंडिया। प्रांतीय प्रमुख कार्यक्रम ''मिशन मुस्कान'' के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन अतुल पाटनी तथा अन्य भामाशाहों के सहयोग से तीर्थराज पुष्कर के निकट गनाहेड़ा क्षेत्र की स्लम बस्ती में रहने वाले 40 से अधिक जरूरतमंद बच्चों को नए वस्त्र वितरित किए गए। क्लब सचिव लायन अनिल चोरड़िया ने बताया कि बच्चों को पैंट-शर्ट, लोअर, टी-शर्ट, सलवार-सूट सहित अन्य आवश्यक वस्त्र भेंट किए गए, जिससे उनके चेहरों पर खुशी की मुस्कान देखने को मिली। क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के मार्गदर्शन में बुद्धि प्रकाश गौड़, डिम्पल गौड़, हेमलता एवं सुमन कंवर सहित स्थानीय सहयोगियों के सहयोग से यह सेवा कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सेवा कार्य से लाभान्वित सभी बालक-बालिकाओं ने नए वस्त्र पाकर प्रसन्नता व्यक्त की। क्लब पदाधिकारियों ने समाज के सक्षम लोगों से भी ऐसे सेवा कार्यों में आगे आकर सहयोग करने का आह्वान किया।

तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी मुनिराज का व्यावरा की ओर मंगल विहार

बीनागंज. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आध्यात्मिक संत, निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ (18 पिच्छिकाओं सहित) का शुभोदय तीर्थ, बीनागंज से पैंची के लिए शुक्रवार सायंकाल मंगल विहार हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सायंकाल उनका व्यावरा में मंगल प्रवेश संभावित है। मंगल विहार से पूर्व दर्शनोदय तीर्थ, थूवोनजी समिति के अध्यक्ष अशोक जैन 'टींगू', मध्यप्रदेश दिगम्बर जैन महासभा के संयोजक विजय धुर्रा, पवन जैन, ऋषभ जैन सहित अन्य प्रमुख श्रद्धालुओं ने मुनिश्री को श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। यह जानकारी विजय धुर्रा, मंत्री, जैन समाज, अशोकनगर द्वारा दी गई।

स्व. बाबूलाल जैन की स्मृति में निःशुल्क चिकित्सा, नेत्र एवं दंत शिविर आयोजित

साप्ताहिक विशेषज्ञ चिकित्सालय का हुआ शुभारंभ

मुरैना/राजाखेड़ा (मनोज जैन नायक)

पीड़ित मानव की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। इसी उद्देश्य को साकार करते हुए श्री बाबूलाल जैन सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा स्वर्गीय श्री बाबूलाल जैन की स्मृति में 31वाँ निःशुल्क चिकित्सा, नेत्र एवं दंत ऑपरेशन शिविर 8 जुलाई को कुंदकुंद दिगंबर जैन विद्यालय, राजाखेड़ा (धौलपुर) में आयोजित किया गया। संस्थान के ट्रस्टी, अंतरराष्ट्रीय कवि एवं मध्यप्रदेश पुलिस के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक पवन जैन (आईपीएस) ने बताया कि खराब मौसम और लगातार वर्षा के बावजूद शिविर में 275 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं। इनमें से 24 मरीजों का चयन नेत्र ऑपरेशन के लिए किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की सेवाओं का लाभ उठाया। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ दंत चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि राजाखेड़ा के वे लोग वास्तव में धन्य हैं, जो वर्षों से पीड़ित मानवता की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बी. डी. जिंदल ने भी ट्रस्ट की सेवाओं की सराहना करते हुए इसे मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इस अवसर पर पवन जैन ने कहा कि ट्रस्ट का मूल मंत्र है...

''एक रोज किसी गूंगे से बातें करके देखो,
एक रोज किसी अंधे के सपने बुनकर देखो।
मिल जाएगा तुम्हें अर्थ जीवन का,
एक रोज किसी का दर्द मिटाकर देखो।''

उन्होंने बताया कि ट्रस्ट पिछले 26 वर्षों से निरंतर विभिन्न स्वास्थ्य एवं सेवा शिविरों के माध्यम से पीड़ित मानवता की सेवा कर रहा है। समाज के सहयोग से यह सेवा अभियान लगातार विस्तार पा रहा है।

शिक्षा में भारतीयता और मातृभाषा से ही आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभवः डॉ. वचनाराम काबावत

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के तत्वावधान में निकटवर्ती रामसीन स्थित आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में 'भारतीय शिक्षा दिवस' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य भरत कुमार वैष्णव ने की। मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय भाषा मंच, राजस्थान क्षेत्र के संयोजक डॉ. वचनाराम काबावत उपस्थित रहे।

'भारत' ही हो देश का एकमात्र नाम

मुख्य वक्ता डॉ. काबावत ने 'एक देश-एक नाम' की संकल्पना पर बल देते हुए कहा कि देश का नाम केवल 'भारत' होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई या राजनीतिक व्यवस्था नहीं, बल्कि प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति और सतत प्रवाहित राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है।

मातृभाषा और संस्कृति से तय होता है राष्ट्र का भविष्य

डॉ. काबावत ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है। यदि शिक्षा अपनी संस्कृति, इतिहास, जीवन-मूल्यों और राष्ट्रीय दृष्टि से जुड़ी हो, तो वह केवल कुशल मानव संसाधन ही नहीं, बल्कि चरित्रवान, उत्तरदायी और राष्ट्रनिष्ठ नागरिक भी तैयार करती है। उन्होंने कहा कि मां, मातृभूमि और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं हो सकता। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और सभ्यता की संवाहक भी होती है। इसलिए मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

इंद्रियों के विषय कभी शांत नहीं होते, मोह ही कर्मबंधन और दुःखों का मूल कारण: युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा.

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा. ने कहा कि परमात्मा जीव को आत्मा की शुद्धता, निर्मलता और वीतरागता प्राप्त करने की विधि सिखाते हैं। संसार के विषय कभी समाप्त नहीं होते, किंतु उनके प्रति उत्पन्न मोह, राग और द्वेष ही जीव को कर्मबंधन में बाँधते हैं। जब तक मनुष्य अपने भावों का परिष्कार नहीं करता, तब तक बाहरी साधनों की प्रचुरता भी उसे स्थायी सुख और शांति नहीं दे सकती। वे अहिंसा भवन में आयोजित धर्मसभा में उत्तराध्ययन सूत्र के अध्ययन का विवेचन कर रहे थे। युवाचार्यश्री ने कहा कि समय के साथ मनुष्य की आवश्यकताओं से अधिक उसकी आदतें बदल गई हैं। जो व्यक्ति कभी साधारण साधनों में भी संतोष अनुभव करता था, वही आज सुविधाओं का इतना अभ्यस्त हो गया है कि उनके अभाव में स्वयं को असहज महसूस करता है। बाहरी साधन सुविधा दे सकते हैं, किंतु आत्मिक शांति केवल संयमित और संतुलित मन से ही प्राप्त होती है। उन्होंने एक दृष्टांत सुनाते हुए कहा कि एक व्यक्ति ''लाइफटाइम वारंटी'' वाला हाथ से चलने वाला पंखा खरीदकर लाया। कुछ समय बाद वह टूटा हुआ पंखा लेकर दुकानदार के पास शिकायत करने पहुँचा। पूछने पर उसने बताया कि हवा लेने के लिए उसने स्वयं गर्दन हिलाने के बजाय पंखे को ही हिलाना शुरू कर दिया, जिससे पंखा टूट गया। युवाचार्यश्री ने कहा कि अधिकांश लोग जीवन में भी यही भूल करते हैं। वे स्वयं को बदलने के बजाय परिस्थितियों को बदलना चाहते हैं, जबकि परिवर्तन की शुरूआत अपने भीतर से करनी होती है। उन्होंने कहा कि पाँचों इंद्रियों के विषयों को 'काम-भोग' कहा गया है। इनका स्वभाव आकर्षित करना है, इसलिए ये कभी शांत नहीं होते। आज मोबाइल रील्स इसका सहज उदाहरण हैं। एक रील समाप्त होते ही दूसरी सामने आ जाती है। इसी प्रकार इच्छाओं और विषयों का भी कोई अंत नहीं है। यदि मनुष्य विषयों के समाप्त होने की प्रतीक्षा करेगा तो उसे कभी शांति नहीं मिलेगी। वास्तविक साधना विषयों को समाप्त करने की नहीं, बल्कि उनके बीच रहते हुए मन को संयमित रखने की है। युवाचार्यश्री ने कहा कि 'विष' और 'विषय' दोनों का प्रभाव विनाशकारी है, किंतु दोनों में अंतर है। विष शरीर का नाश करता है, जबकि विषयों का मोह और उनका निरंतर स्मरण मन एवं आत्मा की शुद्धता को कलुषित कर देता है। इसलिए इंद्रिय-विषयों के प्रति सजग रहना, अनावश्यक स्मरण से बचना तथा विवेक एवं आत्मसंयम का पालन करना ही आत्मकल्याण का वास्तविक मार्ग है। उन्होंने कहा कि राग और द्वेष दोनों ही कर्मबंधन के समान कारण हैं। केवल आसक्ति ही नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा परिस्थिति के प्रति घृणा भी मन को बाँध देती है। भगवान महावीर इसलिए वीतराग कहलाए, क्योंकि उन्होंने राग और द्वेष दोनों का पूर्ण अतिक्रमण कर समता को प्राप्त किया। दुःख का कारण बाहरी वस्तुएँ नहीं, बल्कि उनके प्रति उत्पन्न मोह है। उन्होंने आगे कहा कि शरीर नश्वर और परिवर्तनशील है। वास्तविक सौंदर्य शरीर का नहीं, बल्कि निर्मल भावों, संयमित जीवन और पवित्र आत्मचेतना का है। इसलिए मनुष्य को बाहरी आकर्षण के स्थान पर अपने अंतर्मन की शुद्धि पर ध्यान देना चाहिए। युवाचार्यश्री ने कहा कि जैन दर्शन मूलतः भावप्रधान दर्शन है। दान, शील और तप तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ निर्मल, निष्काम और उत्कृष्ट भाव जुड़े हों। भावों की पवित्रता ही आत्मकल्याण का वास्तविक आधार है। धर्मसभा के समापन पर उन्होंने कहा कि मोह, राग, द्वेष और विषयासक्ति का क्षय ही समता, शांति और आत्मानंद का मार्ग है। परमात्मा के वचनों को जीवन में उतारना ही आत्मकल्याण तथा मोक्षमार्ग की वास्तविक साधना है।

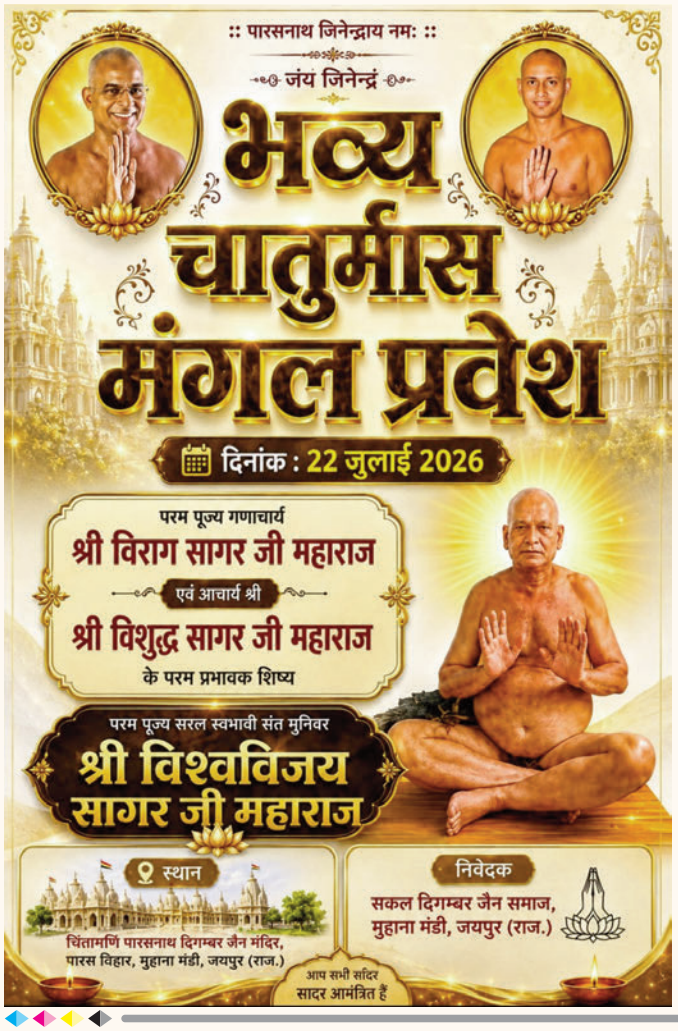

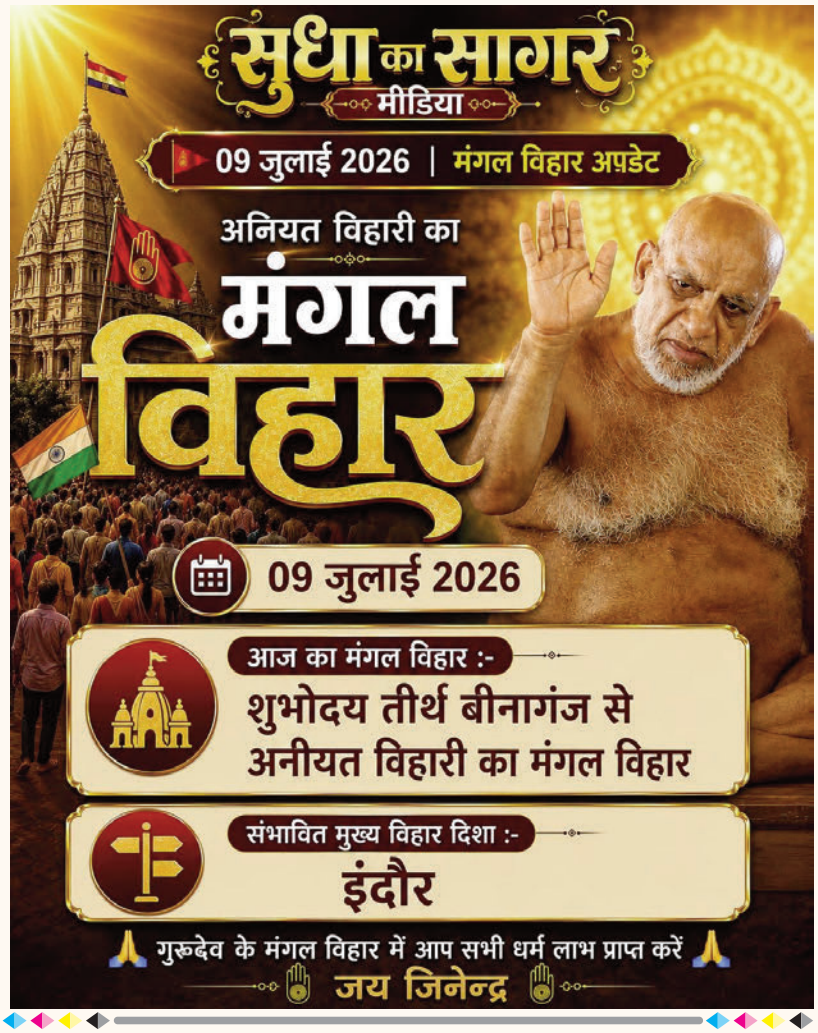

अहिंसा रैली निकालकर दिया शांति, सेवा और मानवता का संदेश

वर्द्धमान शिक्षण समिति के तत्वावधान में महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 एवं बिजयनगर-ब्यावर जोन का आयोजन

ब्यावर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के सिद्धांत ''अहिंसा परमो धर्मः'' को जन-जन तक पहुँचाने तथा समाज में सेवा, करुणा और मानवता की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वर्द्धमान शिक्षण समिति के तत्वावधान में महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 एवं महावीर इंटरनेशनल बिजयनगर-ब्यावर जोन द्वारा अहिंसा रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय परिसर से हुआ। इसमें बड़ी संख्या में वीर एवं वीराओं ने हाथों में अहिंसा और सेवा का संदेश लिखे ध्वज एवं बैनर लेकर नगर भ्रमण किया। रैली के माध्यम से नागरिकों को प्रेम, सद्भाव, जीवदया, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा के प्रति जागरूक किया गया। रैली के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भगवान महावीर के आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा समाज में भाईचारा, शांति और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने का संदेश दिया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य एवं वर्द्धमान शिक्षण समिति के सचिव डॉ. नरेंद्र पारख ने कहा कि भगवान महावीर का अहिंसा का संदेश आज भी संपूर्ण विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में अहिंसा, दया, सेवा और सद्भाव को अपनाए तो समाज में शांति, सौहार्द और समरसता की स्थापना संभव है। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेंद्र रांका, रीजन कोषाध्यक्ष दीपचंद कोठारी, इंटरनेशनल डायरेक्टर विनोद चौरड़िया, बिजयनगर-ब्यावर जोन चेयरमैन तेजमल बुरड़, अजमेर जोन चेयरमैन बाबूलाल जैन, जोन सचिव रूपेश कोठारी, जोन कोषाध्यक्षा आशा चौरड़िया, जोन समन्वयक विजयराज जैन, गवर्निंग काउंसिल सदस्य यशवंतराज कोठारी एवं सुशील छाजेड़, यूनिक चेयरमैन राजेंद्र सुराणा, ब्यावर सचिव निलेश बुरड़, युवा चेयरमैन राजेश रांका, रॉयल वीरा चेयरपर्सन दीपशिखा सकलेचा, पुष्पा बुरड़, दिलीप दक, वीरेन्द्र मेडतवाल सहित बड़ी संख्या में वीर एवं वीराओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने अहिंसा, सेवा, सद्भाव और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया। रैली ने समाज में सकारात्मक चेतना का संचार करते हुए सेवा, मानवता और सामाजिक समरसता का प्रभावी संदेश दिया।

फागी में दिगम्बर जैनाचार्य श्री सुंदर सागरजी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

राजकीय अतिथि सम्मान प्राप्त आचार्य के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब, आर्यिका सुरम्य मति माताजी बोलीं ''न भूतो, न भविष्यति''

फागी (संवाददाता). शाबाश इंडिया

फागी कस्बे में गुरुवार को राजकीय अतिथि सम्मान प्राप्त दिगम्बर जैनाचार्य मुनि 108 श्री सुंदर सागरजी महाराज के चतुर्विध संघ का ऐतिहासिक एवं भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आठ मुनिराज, सात आर्यिका माताजी, चार क्षुल्लक, छह क्षुल्लिकाएं, छह बाल ब्रह्मचारिणियां तथा दो ब्रह्मचारी सहित विशाल संघ का कस्बे की सीमा पर बैंड-बाजों, जयघोष एवं पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। जिला ओबीसी मोर्चा के महामंत्री एवं अध्यक्ष गोविंद धाभाई की अगुवाई में रेफरल अकादमी के विद्यार्थियों ने पुष्पवर्षा कर संघ का अभिनंदन किया। राजस्थान जैन सभा शाखा फागी के महामंत्री राजाबाबू गोधा ने बताया कि शोभायात्रा में सभी पुरुष सफेद कुर्ता-पायजामा, महिलाएं पारंपरिक परिधान तथा बच्चे निर्धारित ड्रेस कोड में शामिल हुए। शोभायात्रा कस्बे की सीमा से प्रारंभ होकर हायर सेकेंडरी स्कूल, मुख्य बाजार होते हुए पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय पहुंची। जैन ध्वज, पंचरंगे ध्वज, बैंड-बाजे, घोड़े, बग्गियां, ढोल-नगाड़ों और जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान पार्श्वनाथ चैत्यालय में विराजमान आर्यिका सुरम्य मति माताजी ससंघ और आचार्य श्री सुंदर सागरजी महाराज के मध्य गुरु-शिष्या का भावपूर्ण मिलन हुआ। आर्यिका संघ ने मुनि संघ का वंदन एवं पाद-प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नगर भ्रमण के दौरान चंद्रपुरी दिगम्बर जैन मंदिर सहित विभिन्न स्थानों एवं श्रद्धालुओं के प्रतिष्ठानों पर पाद-प्रक्षालन एवं आरती की गई। नगरपालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश खवास, पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, सरपंच सीताराम पारीक, भाजपा मंडल अध्यक्ष रंगलाल गुर्जर, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष वीरेंद्र जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं समाजजनों ने भी आचार्य संघ का स्वागत कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर समिति के महेंद्र बावड़ी एवं विनोद मोदी ने बताया कि पूरे कस्बे को दुल्हन की तरह सजाया गया था। जगह-जगह तोरणद्वार, रंगोलियां, आतिशबाजी तथा ड्रोन से पुष्पवर्षा की गई। मुख्य बाजार में सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से 51 थालों के साथ सामूहिक पाद-प्रक्षालन किया गया। शोभायात्रा में अष्टद्रव्य, आरतियां, शास्त्र एवं भगवान महावीर के जयघोष वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका सुरम्य मति माताजी ने कहा कि उनके जीवन में ऐसा भव्य मंगल प्रवेश पहली बार देखने को मिला है। उन्होंने इसे ''न भूतो, न भविष्यति'' बताते हुए अविस्मरणीय आयोजन कहा। अपने आशीर्वचन में आचार्य श्री सुंदर सागरजी महाराज ने कहा कि जिस भूमि पर संतों का पदार्पण होता है, वह भूमि पुण्यशाली बन जाती है। उन्होंने कहा कि इतने विशाल मुनि संघ का फागी आगमन यहां के श्रद्धालुओं का सौभाग्य है तथा सभी को धर्ममार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न श्रद्धालु परिवारों ने बोली के माध्यम से पाद-प्रक्षालन, चित्र अनावरण एवं शास्त्र भेंट का सौभाग्य प्राप्त किया। आचार्य श्री की आहारचर्या नरेंद्र कुमारझअनिल कुमार कासलीवाल परिवार के यहां सम्पन्न हुई। आयोजन के उपरांत सभी आगंतुक श्रद्धालुओं के लिए स्वरुचि भोज की व्यवस्था भी की गई। इस ऐतिहासिक आयोजन में जयपुर, सांगानेर, रेनवाल, माधोराजपुरा, डिग्गी, मालपुरा, केकड़ी, निवाई, चाकसू क्षेत्र सहित अनेक शहरों एवं कस्बों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा एवं समाज के विनोद कुमार कलवाड़ा ने बताया कि शोभायात्रा के दौरान यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था पुलिस अधीक्षक हनुमान सहाय मीणा के निर्देशन तथा डिप्टी एसपी शिवलाल बैरवा एवं थाना प्रभारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में सुचारु रूप से संचालित की गई।

गुरु-शिष्य मिलन देख भावुक हुए श्रद्धालु, छलक पड़े दोनों संतों के अश्रु

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी मुनिराज ससंघ का पुष्पगिरी तीर्थ में भव्य मंगल प्रवेश

सोनकच्छ. शाबाश इंडिया

मानव कल्याण स्थली पुष्पगिरी तीर्थ के प्रणेता गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागरजी महाराज के सुयोग्य शिष्य 'अंतर्मना' आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज का संघस्थ मुनि श्री पीयूष सागरजी ससंघ पुष्पगिरी तीर्थ में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस दौरान गुरु-शिष्य के भावपूर्ण मिलन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। मंगल प्रवेश से पूर्व अंतर्मना गुरुदेव ससंघ का मंगल विहार सोनकच्छ स्थित आकाश जैन गुरुभक्त परिवार के निवास, भागीरथ एवेन्यू कॉलोनी से बैंड-बाजों एवं जयघोष के साथ पुष्पगिरी तीर्थ के लिए प्रारंभ हुआ। मार्ग में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों ने गुरुदेव का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दोपहर लगभग 3:45 बजे पुष्पगिरी तीर्थ पर गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागरजी महाराज और उनके शिष्य आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज का मिलन हुआ। आचार्य प्रसन्न सागरजी ने संघ सहित तीन परिक्रमा लगाकर गुरु के चरणों में वंदन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद दोनों संतों ने एक-दूसरे को स्नेहपूर्वक आलिंगन किया। इस भावुक क्षण में गुरु और शिष्य दोनों की आंखें नम हो गईं। यह दृश्य देखकर उपस्थित श्रद्धालु भी भाव-विभोर हो उठे और पूरा तीर्थ परिसर गुरु-शिष्य के जयघोष से गूंज उठा। पुष्पगिरी तीर्थ पर विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पुष्पवर्षा कर संत संघ का स्वागत किया। इसके बाद गुरु-शिष्य एक-दूसरे का हाथ थामकर मंच पर पहुंचे, जहां संघ ने गणाचार्य श्री के चरणों का प्रक्षालन कर गुरुरज मस्तक पर धारण की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अपने प्रवचन में आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा, ''भरोसा करना है तो गुरु पर करें, क्योंकि परमात्मा की प्राप्ति गुरु के माध्यम से ही संभव है। जीवन में देव, शास्त्र और गुरु के अतिरिक्त सब कुछ अशरण है। गुरु की कृपा ही साधक को अनमोल बना देती है।'' गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागरजी महाराज ने कहा कि परमात्मा प्रत्येक जीव के भीतर विद्यमान है। उन्होंने कहा, ''परमात्मा हमसे कुछ लेता नहीं, बल्कि निरंतर देता ही रहता है। शिष्य से मिलने से पहले मेरी आंखों से भी अश्रु बह रहे थे। बीज छोटा अवश्य होता है, लेकिन प्रेम, संस्कार और साधना का पोषण मिलने पर वही वटवृक्ष बन जाता है। प्रसन्न सागर वही बीज हैं, जो आज विशाल वटवृक्ष बन चुके हैं।'' इस अवसर पर विधायक डॉ. राजेश सोनकर, पुष्पगिरी तीर्थ के समन्वयक आकाश जैन, जैन समाज अध्यक्ष महेन्द्र पाटोदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उपाध्याय मुनि श्री पीयूष सागरजी महाराज ने किया तथा आभार पुष्पगिरी अध्यक्ष प्रकाश अजमेरा ने व्यक्त किया। यह जानकारी प्रचार-प्रसार संयोजक रोमिल पाटणी (सोनकच्छ), नरेन्द्र अजमेरा एवं पीयूष कासलीवाल (औरंगाबाद) ने दी।

जीवदया सेवार्थ संकल्प पथ हुआ पावन, संगिनी मेट्रो एवं जीवदया समिति की सदस्याओं ने की गौसेवा

हर माह गौसेवा एवं जीवदया कार्य करने का लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव सेवा एवं जीवदया के प्रति समर्पित महिलाओं के संगठन संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो एवं जीवदया समिति, महल योजना के संयुक्त तत्वावधान में दुगार्पुरा स्थित गौशाला में जीवदया सेवार्थ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सदस्याओं ने गौमाता को हरा चारा, तरबूज, रोटियां एवं लड्डू खिलाकर सेवा की तथा पक्षियों के लिए चुग्गा-दाना की भी व्यवस्था की। संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो की अध्यक्ष रेखा पाटनी एवं पूर्व अध्यक्ष मैना गंगवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम जैन सोशल ग्रुप मेट्रो जयपुर के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय महेन्द्र गंगवाल की छठी पुण्य स्मृति के अवसर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जैन सोशल ग्रुप मेट्रो जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन (कोटखावदा) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाजसेवी ललित गंगवाल, अशोक गंगवाल, संगिनी फोरम की निवर्तमान अध्यक्ष अम्बिका सेठी, पूर्व अध्यक्ष वर्षा अजमेरा तथा जीवदया समिति महल योजना की तोशी जैन, अंकित जैन (मित्रपुरा), डॉ. ऋतु जैन,

डॉ. प्रीति जैन, निधि जैन, अक्षिता गंगवाल, गौरवी जैन सहित अनेक सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर गौसेवा एवं जीवदया के कार्य में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्याओं ने प्रत्येक माह नियमित रूप से गौसेवा एवं जीवदया के कार्यों में सहभागी बनने का संकल्प लिया। अंत में पूर्व अध्यक्ष मैना गंगवाल ने सभी अतिथियों एवं सदस्याओं का कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आभार व्यक्त करते हुए जीवदया और सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

वात्सल्य प्रोजेक्ट के तहत 151 नवजात शिशुओं को हाईजेनिक बेबी किट वितरित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के 52वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पखवाड़े के नवम दिवस पर महावीर इंटरनेशनल परिवार, कुचामन सिटी द्वारा राजकीय चिकित्सालय में ''वात्सल्य प्रोजेक्ट'' के अंतर्गत नवजात शिशुओं की माताओं के लिए जागरूकता एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माताओं को शिशु की उचित देखभाल, स्तनपान के महत्व, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा संक्रमण से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही सुरक्षित एवं स्वच्छ मातृत्व के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के पीएमओ डॉ. बलवीर सिंह ढाका, डॉ. हरेन्द्र नेत्रा, डॉ. जयप्रकाश ढाका, डॉ. जीशान खान, डॉ. प्रेम प्रकाश गीला तथा नर्स रेशम कंवर एवं बबली की उपस्थिति में नवजात शिशुओं के लिए 151 हाईजेनिक बेबी किट वितरित किए गए। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, वीरा सरोज पाटनी, वीर आनंद सेठी, वीर अजित पहाड़िया, वीर सुरेन्द्र सिंह दीपपुरा, वीर नरेश जैन, वीर राहुल झांझरी, वीर विजय पहाड़िया, वीर सम्पत बगड़िया तथा वीर तेजकुमार बड़जात्या सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में वीर सुभाष पहाड़िया ने उपस्थित चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महावीर इंटरनेशनल समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से निरंतर जनकल्याण के कार्य करता रहेगा।

गढ़ी एवं अरथूना की गौरव आर्यिकाओं ने वागड़ क्षेत्र की सुख-समृद्धि का दिया आशीर्वाद

अहमदाबाद. शाबाश इंडिया

अहमदाबाद के सोला रोड स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रवासरत गढ़ी गौरव आर्यिका श्री देवयश मति माताजी एवं अरथूना गौरव आर्यिका श्री देवागम मति माताजी ने वागड़ क्षेत्र की सुख-समृद्धि, सुवृष्टि एवं जनकल्याण की मंगलकामना करते हुए श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल एंड कल्चरल ग्रुप, जिला बांसवाड़ा के जिला संयोजक अजीत कोठिया, कुसुम कोठिया, हीना कोठिया एवं अहाना कोठिया ने माताजी द्वय के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। बताया गया कि दोनों आर्यिका माताजी का इस वर्ष चातुर्मास न्यू मिलन जैन सोसाइटी, अहमदाबाद में होगा। वे 15 जुलाई तक चातुर्मास स्थल पर पहुँचेंगी तथा 26 जुलाई 2026 को मंगल कलश स्थापना के साथ चातुर्मास का शुभारंभ होगा। आर्यिका माताजी द्वय ने वागड़ एवं मेवाड़ क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से चातुर्मास एवं मंगल कलश स्थापना समारोह में अहमदाबाद पधारकर धर्मलाभ एवं ज्ञानार्जन का लाभ लेने का आग्रह किया। इसी क्रम में ग्रुप के सदस्यों को मुनि श्री अपूर्व सागरजी, मुनि श्री अर्पित सागरजी एवं मुनि श्री विवर्जित सागरजी को आहार कराने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। संतों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुए देशभर में सुख, समृद्धि, शांति तथा समय पर अच्छी वर्षा की मंगलकामना की।